दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 10

प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य निर्देश-पुस्तिका

क्रमांक	सत्रीय कार्ड कोड	कहाँ प्रेषित करें	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर सत्रीय कार्य पहुँचने की निर्धारित अंतिम दिनांक
01	एम ए एच डी – 07	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर	30.04.2020
02	एम ए एच डी – 08		
03	एम ए एच डी – 09		
04	एम ए एच डी – 10		
05	एम ए एच डी – 11		
06	एम ए एच डी – 12		

- अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य का मूल्यांकन संबंधित अध्ययन केंद्र पर ही किया जाएगा।

Š

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र – 442 001
फोन/फैक्स नं.: 07152-247146 वेबसाइट: http://hindivishwa.org/distance/

पाठ्यक्रम संयोजक - डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा

पाठ्यक्रम सह-संयोजक - संदीप मधुकर सपकाळे **दिनांक : 18. 02. 2020**

दूर शिक्षा निदेशालय

पाठ्यक्रम- एम.ए. हिंदी **प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य

दिशा-निर्देश

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं के निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) में प्रत्येक में 01-01 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को प्रथम वर्ष, के द्वितीय सेमेस्टर में कुल 05 सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं।

सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी को उसी पाठ्यचर्या का प्रश्नपत्र हल करने के लिए दिया जाएगा जिस वैकल्पिक पाठ्यचर्या का चयन विद्यार्थी द्वारा सत्रीय कार्य हेतु पंचम पाठ्यचर्या के लिए किया जाएगा। विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे परीक्षा आवेदन पत्र में अपने द्वारा पंचम पाठ्यचर्या के लिए चयनित वैकल्पिक पाठ्यचर्या का क्रमांक, शीर्षक एवं कोड स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें। यथा – **हिंदी पत्रकारिता** पाठ्यचर्या के लिए विकल्प – 01, पाठ्यचर्या का शीर्षक – हिंदी पत्रकारिता, पाठ्यचर्या कोड – MAHD – 11 लिखिए।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 03 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखना है।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम दिनांक से पूर्व संबंधित अध्ययन केंद्र पर जमा कराएँ तथा उनकी एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यत: सुरक्षित रखें।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :-

सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुन: प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है। विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा संबंधितपाठ्य-सामग्री को कितन पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा संबंधित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितन विकसित हुआ है। आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है। विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए। पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी संबंधीज्ञान की अपेक्षा की जाती है। उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य लेखा :

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :- प्रथमत: सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए। तदनन्तर संबंधितपाइय-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए। पूछे गए प्रश्नों से संबंधितइकाइयों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए। साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्णक पढ़िए। पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से संबंधितमहत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए। और अंतिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।
02. संगठन कौशल :- अपने उत्तर को अंतिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए, श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए। उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए। कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी संबंधी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो ताथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।
03. सत्रीय कार्य लेखन :- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वार स्वयं की हस्तलिपि में सम्पन्न किया जाना है। पूछे गए प्रश्नों की अंतिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी संबंधीदोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो। आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है। उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए। उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व संबंधितप्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए। प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए। उत्तर-पुस्तिका हेतु A-4 साइज़ के कामज़ों का प्रयोग करें। कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के

बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं। सत्रीय कार्य के अंतिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए। सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी। आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। सत्रीय कार्य की कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के प्रारूप हेतु परिशिष्ट क्रमांक-01 देखिए।
02. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के शीर्षभाग पर सर्वोपरि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का नाम एवं पूर्ण पता लिखिए।
03. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर विश्वविद्यालय के नाम और पते के नीचे पाठ्यक्रम का नाम एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम, प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010, सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक, सत्रीय कार्य कोड, पाठ्यचर्या क्रमांक तथा पाठ्यचर्या का शीर्षक लिखिए।
04. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के मध्यभाग में अपना पूरा नाम (कृपया नाम के पहले श्रीमती/कुमारी/सुरी/श्री/डॉ. न लिखें), अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, पत्राचार पता (पिन कोड सहित) तथा मोबाइल नं. लिखिए।
05. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के निम्नाभाग में संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।
06. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को जाँच हेतु संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर जमा करा दीजिये। लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर **सत्रीय कार्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम, प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010** अवश्य लिखिए।

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 7 से 12
अधिकतम अंक : 30%

प्रथम सेमेस्टर

- प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

एम ए एच डी – 7, MAHD -7, मध्यकालीन हिंदी काव्य, (अनिवार्य)

प्रश्न 1. निर्गुण भक्ति में सदगुरु के महत्व को रेखांकित करते हुए ब्रह्म के स्वरूप का निरूपण कीजिए।
प्रश्न 2. कबीर की सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना पर एक लेख लिखिए।
प्रश्न 3. जायसी की सौंदर्य दृष्टि की विवेचना करते हुए 'पद्मावत' में वर्णित विरह वेदना को प्रस्तुत कीजिए।
प्रश्न 4. काव्य सौष्ठव को समझाते हुए सूर की भक्ति भावना का परिचय दीजिए।
प्रश्न 5. "तुलसी के राम में परमब्रह्म एवं पुरुषोत्तम का समन्वित रूप विद्यमान है।" उक्त कथन की समीक्षा कीजिए।
प्रश्न 6. रीतिकालीन कवियों की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

एम ए एच डी – 8, MAHD - 8, हिंदी नाटक एवं रंगमंच, (अनिवार्य)

प्रश्न 1. हिंदी नाट्य साहित्य की परंपरा में भारतेन्दुयुगीन नाट्य धाराओं का पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 2. 'हिंदी एकांकी' में वर्णित नए सामाजिक मूल्यों का विवेचन कीजिए।
प्रश्न 3. 'नुक्कड़ नाटक' को परिभाषित करते हुए सफदर हाशमी के अवदान पर चर्चा कीजिए।
प्रश्न 4. हिंदी नाट्य समीक्षा के इतिहास पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 5. अभिनय को परिभाषित करते हुए आंगिक अभिनय के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।
प्रश्न 6. भरतमुनी के नाट्यशास्त्र पर एक निबंध लिखिए।

एम ए एच डी – 9, MAHD - 9, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, (अनिवार्य)

प्रश्न 1. उदात्त की संकल्पना पर लोंजाइनस के विचारों का विश्लेषण कीजिए।
प्रश्न 2. विलियम वर्ड्सवर्थ की काव्यभाषा संबंधी स्थापनाओं पर चर्चा कीजिए।
प्रश्न 3. कॉलरीज की आलोचना दृष्टि की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए उनके कल्पना सिद्धांत की विवेचना कीजिए।
प्रश्न 4. बेनेदितो क्रोचे के अभिव्यंजनावाद की मूल स्थापनाओं की समीक्षा कीजिए।
प्रश्न 5. आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकता में अंतर बताते हुए मिशेल फूको के चिंतन की विवेचना कीजिए।
प्रश्न 6. द्वंद्वात्मक भौतिकवाद के सिद्धांत को समझाते हुएहिंदी के मार्क्सवादी साहित्य पर प्रकाश डालिए।

एम ए एच डी – 10, MAHD - 10, हिंदी साहित्य का इतिहास-2, (अनिवार्य)

प्रश्न 1. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का सारगर्भित विवेचन कीजिए।
प्रश्न 2. रीतिकालीन साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए उसका वर्गिकरण कीजिए।
प्रश्न 3. प्रगतिवादी काव्य को समझाते हुए उसकी सामाजिक दृष्टि का विश्लेषण कीजिए।
प्रश्न 4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के समकालीन आलोचना परिदृश्य पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 5. 'औपनिवेशिक परिवेश में प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य' पर एक लेख लिखिए।
प्रश्न 6. 'सरस्वती' में प्रकाशित 'हीरा डोम' की कविता की समीक्षा कीजिए।

एम ए एच डी - 11, MAHD - 11, हिंदी पत्रकारिता – I, (वैकल्पिक)

प्रश्न 1. हिंदी पत्रकारिता में भारतीय नवजागरण की अभिव्यक्ति को रेखांकित कीजिए।
प्रश्न 2. साक्षात्कारकर्ता के कार्यों का उल्लेख करते हुए उसके गुणों की चर्चा कीजिए।
प्रश्न 3. 'हिंदी नई चाल में ढली' इस विषय पर एक निबंध लिखिए।
प्रश्न 4. हिंदी खेल पत्रकारिता में प्रभाष जोशी के योगदान पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 5. आंचलिक पत्रकारिता की आवश्यकता एवं उसकी चुनौतियों की समीक्षा कीजिए।
प्रश्न 6. भारत से बाहर विदेशों में प्रकाशित होने वाली हिंदी पत्रिकाओं का परिचय दीजिए।

एम ए एच डी – 12, MAHD - 12, हिंदी अनुप्रयोग तकनीकी संसाधन और उपकरण- II, (वैकल्पिक)

प्रश्न 1. यूनिकोड (देवनागरी) के महत्व को समझाते हुए हिंदी टंकण की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 2. हिंदी के भाषा संसाधन संबंधी सॉफ्टवेयर्स का विस्तार पूर्वक विवेचन कीजिए।
प्रश्न 3. हिंदी कुंजीपटल (की बोर्ड) विकसित करने में उपस्थित हुई समस्याओं पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 4. आपके द्वारा नियमित पढ़े जानेवाले हिंदी भाषा के किसी भी ऑनलाइन पोर्टल का विस्तृत परिचय दीजिए।
प्रश्न 5. सोशल मीडिया माध्यमों में हिंदी के रचनात्मक प्रयोगों की समीक्षा कीजिए।
प्रश्न 6. ई-पी.जी. पाठशाला पर प्रस्तुत किए गए हिंदी साहित्य के व्याख्यानों में अपनी रूचि के किसी व्याख्यान की समीक्षा कीजिए।